भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1734

उत्तर देने की तारीख-10/03/2025

केन्द्रीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा

†1734. **श्री अनूप संजय धोत्रे:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश के केन्द्रीय विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित मौजूदा नियमों की समीक्षा करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
(ग) उक्त समीक्षा को कब तक अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है; और
(घ) सरकार द्वारा केन्द्रीय विद्यालयों में नाममात्र शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (ग): केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) का मुख्य उद्देश्य रक्षा और अर्ध-सैन्य कार्मिकों सहित केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय और गैर-स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों को सतत, निर्बाध शिक्षा प्रदान करना है। माता-पिता की नौकरी की प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में, देश में केन्द्रीय विद्यालयों (केवि) की प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में मौजूदा नियमावली की समीक्षा हेतु कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) केन्द्रीय विद्यालयों को उनकी स्थापना और कार्य हेतु पूर्ण रूप से केंद्र सरकार द्वारा पूरी निधि प्रदान की जाती है और एक समूह जो सीबीएसई से संबद्ध है, के रूप में शैक्षिक मानकों और अधिगम परिणामों के संबंध में सर्वोत्तम श्रेणियों में से एक है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, विद्यालय विकास निधि (वीवीएन), कंप्यूटर निधि और शिक्षण शुल्क गैर-छूट

प्राप्त श्रेणी के छात्रों से सामान्य से बहुत कम दर पर उनके शुल्क प्रतिमान के अनुसार ली जाती है। ये निधि /शुल्क केन्द्रीय विद्यालय संगठन की शुल्क संरचना का एक भाग है और इसका उपयोग छात्र कल्याण गतिविधियों के साथ विद्यालय के रख-रखाव एवं शैक्षणिक कार्य हेतु किया जाता है। इसके अतिरिक्त, देशभर में केन्द्रीय विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा निर्धारित एक समान पाठ्यचर्या, सक्षम शिक्षकों की नियुक्ति और उनकी नियमित क्षमता निर्माण, पर्यवेक्षण के अधिदेशित दो दौरे, शिक्षण में नवाचार और प्रयोगात्मकता को प्रोत्साहन, सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में अग्रणी भूमिका, शिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग और बच्चों के समग्र विकास हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रमों का संचालन आदि किया जा रहा है। अधिकांश केन्द्रीय विद्यालय को भी पीएम श्री स्कूल के रूप में शामिल किया गया है।

****